इतिहास में इतना विशाल राज्य शायद ही किसी राजा को उत्तराधिकार के रूप में प्राप्त हुआ था। 1519 ई० में चार्ल्स पवित्र रोमन साम्राज्य का सम्राट चुना गया।

<u>चार्ल्स पंचम की कठिनाइयाँ</u> :- यह सत्य है कि चार्ल्स दुनियाँ के एक बड़े भाग का स्वामी था, परन्तु उसका साम्राज्य कांटों का ताज था। उसे एक शक्तिशाली राज्य नहीं, अपितु विभिन्न परम्पराओं वाले राज्यों का समूह प्राप्त हुआ था। उसके साम्राज्य में न तो सामान्य प्रशासनिक, और न न्यायिक प्रणाली स्थापित थी। चार्ल्स के प्रत्येक राज्य अपना स्वतंत्र अस्तित्व रखते थे। साम्राज्य में राजनीतिक एवं धार्मिक कारणों से अशांति व्याप्त थी। सामन्तों एवं जागीरदारों से भी चार्ल्स को खतरा था। नेपल्स, सिसली एवं सार्डिनिया में अलग-अलग स्थानीय सरकारें कार्य कर रही थी। उसके साम्राज्य क्षेत्र के अन्तर्गत आठ कोर्टेज (Cortes) या संसद थे, स्पेन अनेक युद्धों में संलग्न था जिसके कारण उसकी अर्थव्यवस्था और भी कमजोर हो गयी थी। आर्थिक दृष्टिकोण से स्पेन एक कमजोर देश था। यह अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए विदेशी बाजारों एवं उपनिवेशों पर अधिक निर्भर था। इस प्रकार चार्ल्स पंचम को अपने राजवंशीय साम्राज्य के साथ-साथ रोमन साम्राज्य की समस्याओं का भी समाधान करना पड़ता था।

<u>स्पेन एवं फ्रांस के बीच युद्ध</u> :- चार्ल्स पंचम का समकालीन फ्रांस का सम्राट फ्रांसिस था, वह काफी महत्वाकांक्षी व्यक्ति था। फ्रांसिस नेपल्स, मिलान, नवारे आदि पर अपना दावा प्रस्तुत करता था। उसकी आँखें नीदरलैंड के कुछ समृद्ध क्षेत्रों पर भी लगी हुई थी। उल्लेखनीय है कि पवित्र रोमन साम्राज्य के सम्राट के निर्वाचन के समय फ्रांसिस भी एक दावेदार था जिससे उसके तथा चार्ल्स के बीच कटुता व्याप्त हो गयी थी। इन्हीं कारणों से फ्रांस एवं स्पेन के बीच 1522 ई० में लम्बे समय के लिए युद्ध प्रारम्भ हो गया।

फ्रांस की सेना ने मिलान पर आक्रमण कर दिया, परन्तु पोप की सेना की सहायता से स्पेन ने उसे मिलान से खदेड़ दिया। अनेक छोटे-छोटे

B. A Part I
Subject - History Hons
Paper - II

Dr. M. N. Mahto
R. N. College, Pandaul
M. No- 9835007357
Date - 7. 4. 2020

Ques:- स्पेन के चार्ल्स पंचम की उपलब्धियों का मूल्यांकन करें।

Ans:- चार्ल्स पंचम स्पेन का एक महत्वपूर्ण शासक था। वह यूरोप के इतिहास में अपनी विशाल विरासत के लिए शार्लमा एवं नेपोलियन के समान महत्व रखता है। उसकी शिक्षा-दीक्षा नीदरलैंड में हुई थी तथा उसे जर्मन या स्पेनिश भाषा का ज्ञान नहीं हुआ था। कहा जाता है कि कास्तील (स्पेन) पहुँचने पर उसका स्वागत 'जन विद्रोह' के रूप में हुआ। वस्तुतः उसमें राष्ट्रीय भावना का विकास नहीं हुआ था तथा वह स्वयं को अपने देश का राजकुमार समझता था।

राज्यारोहण एवं विरासत— चार्ल्स पंचम स्पेन के सम्राट फर्डिनेंड की पुत्री इनफेंटा जुआना का लड़का था। इनफेंटा जुआना का विवाह आस्ट्रिया के हैप्सबर्ग वंशीय शासक मैक्सिमिलियन के पुत्र फिलिप के साथ हुआ था। फिलिप की माँ बर्गंडी मेरी थी जो नीदरलैंड की उत्तराधिकारिणी थी। अतएव फिलिप नीदरलैंड का उत्तराधिकारी था। चार्ल्स पंचम का जन्म 1500 ई० में हुआ था। संयोगवश 1516 ई० तक स्पेन के सम्राट फर्डिनेंड, फिलिप, इजाबेला एवं स्पेन के उत्तराधिकारी की मृत्यु हो गयी। अतएव चार्ल्स स्पेन, नीदरलैंड एवं हैप्सबर्गों के अधिकारियों का उत्तराधिकारी बना। उसके अधीन सिसिली, सार्डिनिया, नेपल्स, मेक्सिको, मैड्रिड, बार्सिलोना आदि प्रदेश थे। इस प्रकार चार्ल्स पंचम यूरोप के तीन विभिन्न राजवंशों के क्षेत्रों का स्वामी था। उसके अधीन जर्मनी में आस्ट्रिया की डचियाँ थी। उत्तरी समुद्र तट पर वह नीदरलैंड का स्वामी था। नयी दुनिया के अनेक क्षेत्र- मेक्सिको, पेरू आदि पर उसका अधिकार था। कहना न होगा कि राज्यारोहण के समय चार्ल्स पंचम- आस्ट्रिया, बर्गंडी तथा स्पेन का सम्राट था।

Scanned with CamScanner

युद्धों के बाद चार्ल्स अपने सैनिकों सहित बंदी बना लिया गया। युद्धों में लगभग आठ हजार फ्रांसीसी सैनिक मारे गये। पोप को सैनिक मदद के बदले पारमा पियाकेंजा के क्षेत्र प्राप्त हुए। फ्रांसिस ने बर्गंडी, नीदरलैंड एवं इटली के क्षेत्रों पर अपना दावा वापस ले लिया। रोम, वेनिस, फ्लोरेंस आदि राज्यों पर स्पेन का झंडा लहराने लगा।

परन्तु शीघ्र ही फ्रांसिस अपने वचन से मुकर गया तथा दोनों देशों के बीच 1527 ई० में पुनः युद्ध शुरू हो गया। इस बार फ्रांस को इंग्लैंड से मदद मिल रही थी। फिर भी फ्रांसिस असफल रहा तथा उसे 1529 ई० में कैम्ब्रे की संधि करनी पड़ी। परन्तु इस संधि ने भी फ्रांस एवं स्पेन के बीच स्थायी शान्ति कायम नहीं कर सकी। फ्रांस एवं स्पेन के बीच 1559 ई० तक अनेक युद्ध हुए। चार्ल्स द्वारा सिंहासन त्यागने के बाद उसके उत्तराधिकारी ने भी युद्ध जारी रखा। अंततः 1559 ई० में केटोकैम्ब्रेसी संधि द्वारा युद्ध का अन्त हुआ। संधि की शर्तों के अनुसार राइन नदी, मेज, तौल एवं वर्डन पर फ्रांस का अधिकार स्वीकृत हुआ। इटली पर हैप्सबर्ग वंश का प्रभाव स्थापित हो गया।

<u>पवित्र रोमन साम्राज्य एवं चार्ल्स</u> :— चार्ल्स पंचम के काल में पवित्र रोमन साम्राज्य जर्मन भाषा-भाषी क्षेत्रों तक ही विस्तृत था। इस क्षेत्र की विविध समस्याएँ थी। जर्मनी में अनेक-छोटे-छोटे स्वतंत्र राज्य थे जहाँ विभिन्न राजकुमारों का शासन था। चार्ल्स पंचम जर्मनी के राज्यों का एकीकरण करके उन पर अपना प्रभाव एवं नियंत्रण बढ़ाना चाहता था। जर्मन राज्यों में सामन्त एक ओर थे तथा राजकुमारों एवं व्यापारियों का गठबंधन अलग था। यद्यपि जर्मन सामन्तों (Knights) की स्थिति अच्छी नहीं थी, फिर भी वे तत्कालीन शासन प्रणाली को हेय दृष्टि से देखते थे। उनमें से कुछ शिक्षित एवं देशभक्त भी थे। चार्ल्स के रोमन साम्राज्य के सम्राट के निर्वाचन के समय उन्होंने काफी मदद की थी।

प्रारम्भ में जर्मन सामन्तों ने चार्ल्स को राजकुमारों की शक्ति कम करने में अच्छी सहायता

Scanned with CamScanner

थे थे। परन्तु धार्मिक प्रश्न पर जर्मन एवं सामन्तों के मध्य तीव्र असन्तोष उत्पन्न हो गया। इसका कारण यह है कि चार्ल्स पंचम का समर्थन करते थे। कैथोलिक धर्म का सबसे बड़ा प्रोटेस्टेंटों को दबाना चाहता था तथा वह कैथोलिक था। 1520 ई० में Martin Luther एवं पोप का आपसी विच्छेद हो गया। पोप ने लूथर को उसके पद से हटाने का आदेश दे दिया। अतः सामन्तों एवं लूथर के बीच गहरी मित्रता उत्पन्न हो गया।

1522 ई० में जर्मन सामन्तों ने खुलकर विद्रोह का बिगुल बजा दिया। सिकिंजेन नामक सामन्त के नेतृत्व में ट्रियर के कैथोलिक राजकुमार की राजधानी पर आक्रमण बोल दिया। परन्तु वह असफल रहा क्योंकि राजकुमारों ने सामन्तों का विरोध सुल्तान ... की मदद की। इसी तरह सामन्तों का विद्रोह असफल हो गया। जर्मन कृषक सामन्तों, पादरियों एवं पादरियों के आर्थिक शोषण से असन्तुष्ट थे। 1524 ई० में लूथर ने किसानों का समर्थन किया, क्योंकि वे कैथोलिक धर्माधिकारियों पर आक्रमण करते थे। परन्तु विद्रोह के मध्य में जर्मनी भर में फैल जाने के पश्चात् स्थिति बदल गई। लूथर के समर्थक राजकुमारों ने किसानों के आक्रमण के शिकार होने लगे। अन्ततः लूथर विद्रोहियों का साथ छोड़कर राजाओं को विद्रोहियों के दमन के लिए प्रेरित किया। किसानों के प्रति लूथर के इस विश्वासघाती रवैये से उसकी लोकप्रियता में कमी आयी। धार्मिक आन्दोलन के अंतिम दिनों में Augsburg (ऑग्सबर्ग) की संधि हुई। जर्मन राजकुमारों को कैथोलिक या Protestant धर्म को मानने की स्वतंत्रता प्रदान की गयी।

<u>इंग्लैंड तथा धार्मिक आंदोलन</u> :- धार्मिक आन्दोलन काल में इंग्लैंड का सम्राट हेनरी अष्टम था। उसका सिद्धान्त ऐसी ... एक महत्वाकांक्षी एवं चतुर व्यक्ति था। वह यूरोप की राजनीति में इंग्लैंड

Scanned with CamScanner

को महत्वपूर्ण स्थान दिलाना चाहता था। फ्रांसीसी-स्पेनिश युद्ध के दौरान England द्वारा France की मदद की गयी थी जो कूटनीति की देन थी। हेनरी अष्टम एवं कैथोरिन के सम्बन्ध-विच्छेद के प्रश्न पर स्पेन तथा England के बीच गहरा अपमान हो गयी थी। परन्तु चार्ल्स ने अपने पुत्र फिलिप द्वितीय की शादी England के शासक हेनरी अष्टम की पुत्री Marry से करदी। फलतः दोनों देशों में सौहार्दपूर्ण संबंध स्थापित हुआ।

नीदरलैंड एवं चार्ल्स पंचम :— जर्मनी की तरह नीदरलैंड भी विभिन्नताओं का देश था। नीदरलैंड के प्रत्येक राज्य स्वयं में पूर्ण एवं स्वतन्त्र था। उनमें आपसी मतभेद एवं प्रतिस्पर्द्धा भी हमेशा रहती थी। चार्ल्स पंचम ने नीदरलैंड के प्रान्तों में एकता स्थापित करने के अनेक प्रयत्न किये। उनकी स्वतन्त्रता पर अंकुश लगाये गये तथा उनसे कर वसूल किया गया। उसके काल में नीदरलैंड के निवासियों पर अनेक अत्याचार हुए। फिर भी चार्ल्स नीदरलैंड पर अपना प्रभावशाली नियन्त्रण कायम नहीं कर सका।

साम्राज्य का विभाजन :— इस प्रकार चार्ल्स का सारा समय विभिन्न संघर्षों एवं समस्याओं में ही व्यतीत हुआ। 1556 ई० में उसने साम्राज्य से मुक्त होने का निर्णय लिया। उसने अपने साम्राज्य का विभाजन कर दिया। उसने अपने पुत्र फिलिप द्वितीय को स्पेन, नीदरलैंड, इटली के राज्य एवं अमेरिका के उपनिवेशों आदि का शासक नियुक्त किया। उसने अपने भाई फर्डिनेण्ड को यूरोप का राज्य दे दिया।

मूल्यांकन :— चार्ल्स पंचम हैप्सबर्ग वंश का एक ऐसा सम्राट था जिसके के पश्चात निःसन्देह एक युग का

अन्त हो गया। इसका सबसे बड़ा कारण यह था कि आने वाले स्पेन में हैप्सबर्गो वंश का कोई भी शासक इतने बड़े साम्राज्य का स्वामी नहीं हो सका। जितने का वह था। यह ठीक है कि वह सौन्दर्य रहित था। उसमें मौलिकता, कल्पना शीलता एवं भावुकता का नितान्त अभाव था। वह मानवतावादी था, वह कला-प्रेमी एवं ग्रीक एवं लैटिन भाषा का ज्ञाता था।

चार्ल्स पंचम स्पेन का एक महत्वाकांक्षी एवं धर्मनिरपेक्ष शासक था। उसके काल में स्पेन की आर्थिक समृद्धि में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। उसने बिखरे हुए स्पेनी साम्राज्य में एकता लाने का भरपूर प्रयास किया। उसके प्रयासों के फलस्वरूप जर्मनी, नीदरलैंड एवं स्पेन में पूँजीवाद का विकास हुआ। वह मानवतावादी विचारधारा का समर्थक था। उसे कला एवं संगीत में भी गहरी अभिरुचि थी।

7.4.2020

हेम नारायण महतो
एसोसिएट प्रोफेसर
इतिहास विभाग
आर० एन० कालेज, पण्डौल
मधुबनी